Role and Function of Clinical Psychologists in Mental Hospital

मानसिक अस्पताल (Mental Hospital) में एक **नैदानिक मनोवैज्ञानिक (Clinical Psychologist)** की भूमिका केवल परामर्श तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह मरीज के इलाज की प्रक्रिया का एक अनिवार्य स्तंभ होता है। जहाँ एक मनोचिकित्सक (Psychiatrist) जैविक और रासायनिक संतुलन (दवाइयों) पर ध्यान देता है, वहीं नैदानिक मनोवैज्ञानिक मरीज के **मानसिक तंत्र, व्यवहार और भावनात्मक सुधार** पर कार्य करता है।

यहाँ उनके मुख्य कार्यों और भूमिकाओं का विस्तृत विवरण दिया गया है:

---

1. मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन और परीक्षण (Psychological Assessment)

यह एक नैदानिक मनोवैज्ञानिक का सबसे प्राथमिक और महत्वपूर्ण कार्य है।

- **केस हिस्ट्री (Case History):** मरीज के जीवन के इतिहास, परिवार, बचपन के अनुभव और बीमारी की शुरुआत के बारे में विस्तृत जानकारी एकत्र करना।
- **नैदानिक साक्षात्कार (Clinical Interview):** मरीज से बातचीत कर उसके लक्षणों की गहराई को समझना।
- **मनोवैज्ञानिक परीक्षण (Psychometric Testing):** विशिष्ट उपकरणों का उपयोग करना जैसे:
    - **बुद्धि परीक्षण (IQ Tests):** मानसिक मंदता या संज्ञानात्मक क्षमता जांचने के लिए।
    - **व्यक्तित्व परीक्षण (Personality Tests):** जैसे Rorschach (इंकब्लॉट) या TAT, यह समझने के लिए कि मरीज के अचेतन मन में क्या चल रहा है।
    - **न्यूरो-साइकोलॉजिकल असेसमेंट:** यह देखना कि क्या व्यवहार में बदलाव किसी दिमागी चोट के कारण है।

---

2. मनोचिकित्सा या थेरेपी (Psychotherapy)

मूल्यांकन के बाद, मनोवैज्ञानिक मरीज के लिए उपयुक्त 'टॉक थेरेपी' का चयन करता है:

- **संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी (CBT):** मरीज के नकारात्मक और गलत सोचने के तरीकों को पहचानना और उन्हें सकारात्मक सोच में बदलना।
- **व्यवहार चिकित्सा (Behavior Therapy):** फोबिया (डर) या बुरी आदतों को सुधारने के लिए तकनीकों का उपयोग करना।
- **द्वंद्वात्मक व्यवहार थेरेपी (DBT):** विशेष रूप से उन मरीजों के लिए जो अपनी भावनाओं पर नियंत्रण नहीं रख पाते या खुद को नुकसान पहुँचाते हैं।

---

3. मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा (Psychoeducation)

अक्सर मरीज और उनके परिवार को बीमारी के बारे में सही जानकारी नहीं होती। मनोवैज्ञानिक का कार्य है:

- मरीज को उसके लक्षणों के बारे में समझाना ताकि वह इलाज में सहयोग करे।
- परिवार को यह सिखाना कि घर पर मरीज के साथ कैसा व्यवहार करें और 'रिलैप्स' (बीमारी के दोबारा लौटने) के संकेतों को कैसे पहचानें।

---

4. पुनर्वास (Rehabilitation)

गंभीर मानसिक रोगियों के लिए अस्पताल से बाहर की दुनिया में तालमेल बिठाना कठिन होता है। मनोवैज्ञानिक यहाँ **पुनर्वास** का कार्य करता है:

- **सामाजिक कौशल प्रशिक्षण (Social Skills Training):** मरीज को समाज में दूसरों से बातचीत करना और अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा करना सिखाना।
- **व्यावसायिक परामर्श (Vocational Counseling):** मरीज की क्षमताओं के अनुसार उसे छोटे-मोटे रोजगार या कौशल सीखने के लिए प्रेरित करना ताकि वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर महसूस करे।

---

5. बहु-विषयक टीम समन्वय (Multidisciplinary Team Collaboration)

मानसिक अस्पताल में इलाज एक टीम प्रयास है। मनोवैज्ञानिक:

- मनोचिकित्सक, नर्स और सोशल वर्कर के साथ मिलकर मरीज की साप्ताहिक प्रगति पर चर्चा करता है।

- दवाइयों के साथ थेरेपी के तालमेल की योजना बनाता है।

कार्यों का संक्षिप्त चार्ट

भूमिका	मुख्य कार्य
आकलनकर्ता (Assessor)	मानसिक स्थिति की जांच और परीक्षण करना।
चिकित्सक (Therapist)	विभिन्न थेरेपी (CBT, DBT आदि) प्रदान करना।
परामर्शदाता (Counselor)	संकट के समय (जैसे आत्महत्या के विचार) मरीज को संभालना।
शिक्षक (Educator)	समाज और परिवार में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना।

निष्कर्ष

मानसिक अस्पताल में नैदानिक मनोवैज्ञानिक की भूमिका मरीज को केवल 'बीमारी मुक्त' करने की नहीं, बल्कि उसे **'जीवन जीने के योग्य'** बनाने की होती है। वे मरीज के मानसिक घावों को भरने और उसे मुख्यधारा से जोड़ने में पुल का काम करते हैं।